मूल्य

'मैं हार गई' कहानी इस संग्रह की प्रतिनिधि कहानी है। समाज में मूल्यों की रक्षा के लिए पात्र निरंतर संघर्ष करती है। लेकिन समाज में व्याप्त कुत्सित राजनीति तथा भ्रष्टाचार उसके संघर्ष को भोथरा कर देते हे। इसी तरह 'दीवार, बच्चे ओर बरसात' में स्त्री जीवन की प्रकारांतर से विडम्बना दर्शायी गई है। उनकी समाज में कोई अर्थपूर्ण भूमिका नहीं है। इसके अभाव में वे परनिंदा जैसे प्रवृत्तियों तक सीमित हो जाती है। इसी तरह 'कील और कसक' में नायिका पति के प्रति निष्ठा और यौन तृप्ति के लिए परपुरूष आर्कषण के बीच विभाजित है। अंत में निष्ठा को बनाये रखने के लिए वह मकान और जगह को भी छोड़ देती है लेकिन कसक अभी भी बनी रहती है।

समाज

Scanned with CamScanner

अच्छाई और बुराई दोनों से परिपूर्ण होता है। मानव-जीवनशक्ति तथा दुर्बलता, लघुता तथा महता, कुरूपता तथा सुरूपता का समन्वय है। इन सभी का मिला - जुला रूप का वर्णन ही यथार्थ के अंतर्गत आता है।"

उपसंहार- स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात स्त्रियों की स्थिति शिक्षा के प्रचार- प्रसार में काफी हद तक बदल गई है। मन्नू जी ने भी स्नाकोतर की उपाधि प्राप्त कर अपने आपको समृद्ध बनाया। मन्नू जी ने भी अध्ययन के पश्चात् नौकरी की शुरुआत की पहले विधालय फिर महाविश्वविधालय में। मन्नू जी ने अपने पिता की रजामंदी के विरुद्ध अपनी मर्जी से राजेन्द्र यादव जी के साथ विवाह किया और अपनी स्त्री शक्ति लगाकर इस विवाह को अटूट बंधन में बांधे रखा। मन्नू जी ने यह सिद्ध कर दिया कि वे आधुनिक भारतीय नारी की प्रतीक हैं। महिला लेखन की परम्परा की शुरुआत जिन लेखिकाओं ने की मन्नू भंडारी उनमे से एक प्रमुख हस्ताक्षर हैं। उन्होंने स्त्री जीवन के हर पहलू को अपनी कहानिओं और उपन्यासों में दर्शाया है। विवाह योग्य कन्या से लेकर नौकरी पेशा स्त्री के संघर्ष, युवा माता की समस्याएँ, परित्यकता स्त्री की समस्यायें, तलाकशुदा स्त्री का जीवन, ये सब अनायास ही मन्नू जी के कथा संसार का अंग बनते चले गए तथा उनकी कहानी और उपन्यास में इनके आकार जीवन्त हो उठे। मन्नू जी की सहजता, विशिष्टता और स्वाभाविकता ही उन्हें विशिष्ट बनाती है।

नारी मूल्य

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. डा. वासुदेव नन्दन प्रसाद
2. सुधा अरोड़ा
3. मंजू कुमारी
4. सी.एच. चारुमती देवी
5. प्रो. गोपेश्वर सिंह

Scanned with CamScanner